कापी राइट सुरक्षित

163

दिल्ली विश्वविद्यालय

AUTHENTICATED COPY

बी०ए० आनर्स (हिंदी) का पाठ्यक्रम

Assistant Registrar (Genl.)
University of Delhi

प्रथम वर्ष : परीक्षा १९८४
द्वितीय वर्ष : परीक्षा १९८५
तृतीय वर्ष : परीक्षा १९८६

COMPLIMENTARY COPY

शिक्षा-वर्ष १९८३–८४ में बी० ए० आनर्स हिंदी में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए

Rs 0 - 50 P

बी०ए० (आनर्स)—हिन्दी

(क) बी० ए० आनर्स (हिंदी) के परीक्षाक्रम में कुल ८ प्रश्नपत्र होंगे (दो प्रथम वर्ष में, दो द्वितीय वर्ष में और चार तृतीय वर्ष में)।

(ख) प्रत्येक प्रश्नपत्र : ३ घंटे का होगा और पूर्णांक १०० होंगे ।

(ग) पाठ्यक्रम का विभाजन इस प्रकार होगा:

प्रथम वर्ष–१९८४

प्रथम प्रश्नपत्र : हिंदी कविता :(पूर्व मध्यकाल) १०० अंक } ३ घंटे

द्वितीय प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) ५० अंक }

(ख) उपन्यास: गोदान (प्रेमचन्द), मृगनयनी (वृन्दावनलाल वर्मा) ३ घंटे ५० अंक

द्वितीय वर्ष–१९८५

तृतीय प्रश्नपत्र : हिंदी-कविता (उत्तर मध्यकाल से द्विवेदी युग तक)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) ५० अंक } ३ घंटे

(ख) निबंध तथा कहानी ५० अंक }

तृतीय वर्ष–१९८६

पंचम प्रश्नपत्र : साहित्य - सिद्धान्त १०० अंक ३ घंटे

षष्ठ प्रश्नपत्र : हिन्दी-कविता (छायावादी और छायावादोत्तर काल) १०० अंक ३ घंटे

सप्तम प्रश्नपत्र : (क) नाटक तथा गद्य १०० अंक ३ घंटे

अष्टम प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन १०० अंक ३ घंटे

तुलसीदास अथवा केशवदास अथवा कवि प्रसाद अथवा नाटककार भारतेन्दु अथवा कहानीकार प्रेमचन्द अथवा संस्कृत (उन छात्रों के लिए जिन्होंने सब्सिडियरी विषय के रूप में संस्कृत नहीं ली है)

पाठ्यक्रम का प्रश्नपत्रानुसार विवरण :

प्रथम वर्ष १९८४

प्रथम प्रश्नपत्र : हिंदी कविता : (पूर्व-मध्यंकाल)

१. कबीर-वाणी-पीयूष-सं० जयदेव सिंह तथा वासुदेव सिंह (सुमिरन कौ अंग, विरह कौ अंग, ज्ञान-विरह कौ अंग, मन को अंग, सूषिम मारग कौ अंग, माया कौ अंग) ।

२. चित्रावली (उसमान)
(कथा-खंड, महादेव खंड, जन्म खण्ड, चित्र-दर्शन खंड)

३. सूरसागर-सार (धीरेन्द्र वर्मा)
(विनय तथा भक्ति : २, १८, २३, २४, २५, ३७, ३८, ४२, ४६, ५३, गोकुल-लीला : ३,७, १३, १६, १९, २७, ३५, ४५, ५६,६०, वृन्दावन-लीला : ३, १०, १४, २०, २४, ३१, ३८, ४२, ७३, ८०, ९७, ११०, ११६, १३१, १४५, १४९, १५१, १५८, १६६, राधा-कृष्ण: १, २, ११, १५, ३२, ४६, ५७, ९५, १००, १०८, ११३, ११४, १५०, १५२, मथुरा-गमन : ७, ११,२०, २३, २९, ३५, ४४, ५२, ५८, ६२, ६४, ६८, ७५, ७६, ८७, ९३, १०१, १०४, १०५, ११०, उद्धव संदेश, १२, १७, ३२, ३४, ४५, ५०, ७५, ८६, १०२, ११९, १६०, १६८, १७५, १८१, १८७, द्वारिका-चरित्र : १, ७, ११, १८, २५, ३२, ३५, ४७, ४९, ५३)

४. कवितावली (तुलसीदास) (लंकाकाण्ड तक)

५. मीराबाई की पदावली–(सं० परशुराम चतुर्वेदी (प्रथम खण्ड)
(हिंदी साहित्य सम्मेलन के १९७० के संस्करण से) ।

सहायक पुस्तकें

कबीर (सं० विजयेन्द्र स्नातक)
कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
डा० बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध (स० गोविन्द चातक)
सूफीमत : साधना और साहित्य (रामपूजन तिवारी)
हिंदी-सुफी-काव्य का समग्र अनुशीलन (शिवसहाय पाठक)
हिंदी - सुफी-काव्य-विमर्श (श्याममनोहर पाण्डेय)
भारती साधना और सूर-साहित्य (मुंशीराम शर्मा 'सोम')
सूर की काव्य-कला (मनमोहन गौतम)

गोस्वामी तुलसीदास (रामचन्द्र शुक्ल)
विश्वकवि तुलसी और उनके काव्य (रामप्रसाद मिश्र)
तुलसीदास और उनके काव्य (रामदत्त भारद्वाज)
मीरा : व्यक्तित्व और कृतित्व (पदमावती)
मीरा की भक्ति और उनके काव्य–साधना और अनुशीलन (भगवान दास तिवारी
हिंदी-काव्य और उसका सौन्दर्य (ओमप्रकाश)

द्वितीय प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

सहायक पुस्तकें :

हिंदी-साहित्य का इतिहास (रामचन्द्र शुक्ल)
हिंदी-साहित्य का अतीत (दोनों भाग) (विश्वनाथप्रसाद मिश्र)
हिंदी-साहित्य का इतिहास (सं० नगेन्द्र, सुरेशचन्द्र गुप्त)
हिंदी-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (रामकुमार वर्मा)
(ख) उपन्यास-गोदान (प्रेमचन्द), मृगनयनी (वृन्दावनलाल वर्मा)

सहायक पुस्तकें :

प्रेमचन्द और उनका युग (रामविलास शर्मा)
गोदान के अध्ययन की समस्याएं (गोपाल राय)
प्रेम चन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान (कमलकिशोर गोयनका)
उपन्यासकार वृन्दावनलाल वर्मा (शशिभूषण सिंहल)

द्वितीय वर्ष १९८५

तृतीय प्रश्नपत्र : हिंदी-कविता (उत्तरमध्यकाल से द्विवेदी-युग तक)

१. हिंदी-रीति-साहित्य (सं० भगीरथ मिश्र)
(केवल मतिराम, बिहारी, देव और घनानन्द की कविताएं)

२. उद्धव शतक (जगन्नाथ दास' रत्नाकर'
(प्रथम ५० कवित्त)

३. प्रियप्रवास (अयोध्यासिंह उपाध्याय)
(केवल पंचम, षष्ठ, और सप्तम वर्ग)

सहायक पुस्तकें :

१. महाकवि मतिराम (त्रिभुवन सिंह)
२. बिहारी (संद्ध ओमप्रकाश)
३. देव और उनकी कविता (नगेन्द्र)

४. घनानंद और स्वच्छंदकाव्यधारा (मनोहरलाल गौड़)

५. कविवर रत्नाकर (कृष्णशंकर शुक्ल)

६. रत्नाकर – उनकी प्रतिभा और कला (विश्वम्भर नाथ भट्ट)

७. प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन (द्वारिकाप्रसाद सक्सेना)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : (क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रस्तावित पुस्तकें :

१. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (कृष्णशंकर शुक्ल)
२. आधुनिक साहित्य (नंददुलारे वाजपेयी)
३. हिंदी वाङ्मय : बीसवी शताब्दीं (सं० नरेन्द्र)

(ख) निबन्ध

१. कविता क्या है ? (रामचंद्र शुक्ल)
२. नव्यतम समीक्षा-शैलियां (नन्ददुलारे वाजपेयी)
३. साहित्य का (मर्म हजारी प्रसाद द्विवेदी)
९. छायावाद का उत्कर्ष (शांतिप्रिय द्विवेदी)
५. मन का ओज और काव्य का रस (लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु')
६. मेरी साहित्यिक मान्यतायें (नगेन्द्र)
७. साहित्य और संस्कृति (देवराज)

(ग) कहानी

१. कफन (प्रेमचन्द)
२. उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)
३. कानों में कंगना (राजा राधिकारमणप्रसाद सिंह)
४. रेल की रात (इलाचन्द्र जोशी)
५. मक्रोल (यशपाल)
६. तत्सत् (जैनेन्द्र कुमार)
७. विपथगा (अज्ञेय)
८. साबुन (द्वजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण')

तृतीय वर्ष १९८६

पंचम प्रश्नपत्र : साहित्य सिद्धान्त

(क) १. साहित्य का स्वरूप, काव्य लक्षण, काव्य.हेतु, काव्य-प्रयोजन
२. रस : रस के अंग, रस का स्वरूप, रस निष्पति, साधारणकिरण
३. ध्वनि : ध्वनि के लक्षण, ध्वनि के आधार पर काव्य के तीन प्रमुख भेद।
४. शब्द शक्ति ४० अंक

(ख) अलंकार : अलंकार का लक्षण, काव्य में अलंकार का स्थान प्रमुख अलंकारों के लक्षण-उदाहरण :

अनुप्रास (छेक वृतिः लाट) यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा (पूर्णा लुप्ता, माला), रूपक (सांग, निरंग, परम्परित), अनन्वय, उत्प्रेक्षा अपन्हुति (छह भेद), अतिशयोक्ति (भेदक अक्रम रूपक), व्यतिरेक, प्रतोप, विभावना, विशेषोक्ति, असंगति, अर्थांतरन्यास, काव्यलिंग, दृष्टांत, प्रतिवस्तूपमा, उदाहरण, दीपक, तुल्योगिता, विरोधाभास, अन्योक्ति, अप्रस्तुत-प्रशंसा, समासोक्ति, स्वभावोक्ति, व्याजस्तुति, भ्रम, संदेह, यथासंख्य, परिसंख्या, निदर्शना, परिकर, मानवीकरण, विशेषण-विपर्यय, ध्वन्यर्थ व्यंजना । २० अंक

(ग) साहित्य विधाएं : नाटक, एकांकी, गीतिकाव्य, खंडकाव्य, महाकाव्य, कहानी, उपन्यास, निबंध आलोचना, रेखाचित्र, संस्मरण । ४० अंक

सहायक पुस्तकें : सहायक पुस्तकें:–

१. काव्य के रूप (गुलाबराय)
२. सिद्धांत और अध्ययन (गुलाबराय)
३. काव्यदर्पण (रामदहिन मिश्र)
४. काव्यांग विवेचन (भगीरथ मिश्र)
५. भारतीय काव्यांग (सत्यदेव चौधरी)
६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत (शांतिस्वरूप गुप्त)

षष्ठ प्रश्नपत्र –हिंदी कविता (छायावादी और छायावादोत्तर)

१. यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त)
२. रश्मि बंध – सुमित्रानन्दन पंत, सं० १९८१ राजकमल प्रकाशन निम्नलिखित कवितायें :

प्रथय रश्मि, ग्रंथि से, आंसू की बालिका, बादल, मौन निमंत्रण, परिवर्तन, गुंजन, नौका-विहार, ताज, हिमाद्रि, गिरि-प्रान्तर, कृतज्ञता, भारतमाता, धर्मदान, कौन बनाता है समाज ।

३. लहर–जयशंकर प्रसाद (उठ-उठ री, निज अलकों के मधुप गुनगुना, अरी वरुणा की, ले चल वहां, आह रे वह, मेरी आंखों की, जगती सी मंगल-मयी, चिर तृषित कंठ, काली आंखों का, अरे, कहीं देखा, अशोक की चिन्ता, पेशोला की प्रतिध्वनि, प्रलय की छाया (१४ कवितायें)

४. कुरुक्षेत्र––रामधारी सिंह दिनकर
(१९८० संस्करण, राजपाल एंड संस, दिल्ली) षष्ठ सर्ग को छोड़कर)

५. कवितांतर––डा० जगदीश गुप्त
(१९७९ संस्करण, ग्रन्थम, रामबाग, कानपुर)
(केवल अज्ञेय और भवानीप्रसाद मिश्र)

सहायक पुस्तकें :

१. गुप्त जी की काव्यसाधना (उमाकांत गोयल)
२. सुमित्रानन्दन पंत (नगेन्द्र)
३. प्रसाद का काव्य (प्रेमशंकर)
४. युगचारण दिनकर (सावित्री सिन्हा)
५. पंत, प्रसाद और मैथलीशरण (रामधारी सिंह दिनकर)

सप्तम प्रश्नपत्र : नाटक तथा गद्य

१. चन्द्रगुप्त––जयशंकर प्रसाद
२. संशय की एक रात––नरेश मेहता
३. प्रतिनिधि एकांकी––उपेंद्रनाथ अश्क
४. अतीत के चलचित्र––महादेवी वर्मा
५. दस तसवीरें––जगदीशचंद्र माथुर

सहायक पुस्तकें :

१. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन (जगन्नाथप्रसाद शर्मा)
२. प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विवेचन (जगदीशचंद्र जोशी)
३. हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास (सिद्धधन कुमार)
४. महादेवी का गद्य (सूर्यप्रकाश दीक्षित)
५. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र (मक्खनलाल शर्मा)

अष्टम प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन
(निम्नलिखित किसी एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन)

(क) तुलसीदास (व्याख्या केवल रामचरितमानस बालकांड दोहा १९२ से अन्त तक गीतावली से)

सहायक पुस्तकें :

१. गोस्वामी तुलसीदास (श्यामसुन्दरदास)
२. गोस्वामी तुलसीदास (रामचंद्र शुक्ल)
३. तुलसीदास और उनका युग (राजपति दीक्षित)
४. तुलसीदास की कारयित्री प्रतिभा (श्रीधर सिंह)
५. हिन्दी पद परम्परा और तुलसीदास (वचनदेव कुमार)
६. तुलसी (अदयभानु सिंह)

(ख) केशवदास (व्याख्या केवल रामचन्द्रिका––पूर्वार्ध से)

सहायक पुस्तकें :

१. केशव की काव्यकला (कृष्णशंकर शुक्ल)
२. आचार्य केशवदास (हीरालाल दीक्षित)
३. केशव और उनका साहित्य (विजयपाल सिंह)
४. रामचन्द्रिका का विशिष्ट अध्ययन (गार्गी गुप्त)

(ग) कवि प्रसाद (व्याख्या केवल प्रेम पथिक, महाराणा का महत्व, कानन कुसम, झरना तथा आंसू से)

सहायक पुस्तकें :

१. जयशंकर प्रसाद (नंददुलारे वाजपेयी)
२. आँसू तथा अन्य कविताएं (विनयमोहन शर्मा)
३. जयशंकर प्रसाद वस्तु और कला (रामेश्वरलाल खंडेलवाल)
४. प्रसाद का काव्य (प्रेमशंकर)
५. महाकवि प्रसाद (विजयेन्द्र स्नातक)

(घ) नाटककार भारतेन्दु (व्याख्या केवल––पाखंड विडम्बन, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, प्रेम जोगिनी, विषस्य विषमौषधम, भारत-दुर्दशा, भारत जननी, नीलदेवी, अंधेर नगरी, सती प्रताप नामक नाटकों से

सहायक पुस्तकें :

१. भारतेन्दु हरिश्चंद (लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय)
२. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन (गोपीनाथ तिवारी)
३. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य (वीरेन्द्र कुमार शुक्ल)
४. भारतेन्दु के नाटक (भानुदेव शुक्ल)
५. भारतेन्दु ग्रन्थावली, पहला खंड (नागरी प्रचारिणी सभा)

(ङ) कहानीकार प्रेमचन्द—व्याख्या केवल प्रेमपचीसी, प्रेमदवादशी तथा प्रेमतीर्थ से)

सहायक पुस्तकें :

१. प्रेमचन्द और उनका युग (रामविलास शर्मा)
२. प्रेमचन्द : एक विवेचन (इन्द्रनाथ मदान)
३. प्रेमचन्द : एक विवेचन (सुरेश सिन्हा)
४. प्रेमचन्द्र (सं० सत्येन्द्र)

(च) संस्कृत — पूर्णांक १००

१. रघुवंशम्—चतुर्दश सर्ग (कालिदास) — २५
२. कादम्बरी—केवल शुकनासोपदेश (वाणभट्ट) — २५
३. अरुभङ्गम्—(भास) — २५
४. **व्याकरण**

(क) कारक — १०

(ख) समास—(निर्धारित पुस्तकों के आधार पर केवल विग्रह और नाम) — ५

(ग) निर्धारित पुस्तकों में से पद-परिचय — १०

विशेष टिप्पणी—निर्धारित पुस्तकों के रचयिताओं से सम्बद्ध प्रश्न भी पूछे जायेंगे।

व्याकरण की प्रस्तावित पुस्तकें :

१. निबन्धपथ—प्रदर्शिका—आप्टे
२. संस्कृत—व्याकरण—(एम०आर०काले)
३. संस्कृत व्याकरण—(कपिलदेव द्विवेदी)

D.U.P. 546—7-83—500+50